



# Aradhanar.

23 Nov 1996

04:05 PM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121282903

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 23/11/1996  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 16:05:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 24:14:33 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Jaunpur  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 25:44:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 82:41:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:44 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 16:05:44 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:13:34 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 20:16:27 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:23:10 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:08:17 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:45:07 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: हेमन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 07:36:27 वृश्चिक  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 20:49:29 मेष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: भरणी - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शुक्र  
योग \_\_\_\_\_: वरियान  
करण \_\_\_\_\_: गर  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: गज  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ली-लीना  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: धनु



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 3 मास 7 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
23/11/1996	01/03/2012	02/03/2018	01/03/2028	02/03/2035
01/03/2012	02/03/2018	01/03/2028	02/03/2035	02/03/2053
00/00/0000	सूर्य 19/06/2012	चंद्र 31/12/2018	मंगल 28/07/2028	राहु 12/11/2037
23/11/1996	चंद्र 19/12/2012	मंगल 01/08/2019	राहु 16/08/2029	गुरु 07/04/2040
चंद्र 02/03/1998	मंगल 25/04/2013	राहु 30/01/2021	गुरु 23/07/2030	शनि 12/02/2043
मंगल 02/05/1999	राहु 20/03/2014	गुरु 01/06/2022	शनि 01/09/2031	बुध 31/08/2045
राहु 02/05/2002	गुरु 06/01/2015	शनि 31/12/2023	बुध 28/08/2032	केतु 19/09/2046
गुरु 31/12/2004	शनि 19/12/2015	बुध 01/06/2025	केतु 24/01/2033	शुक्र 18/09/2049
शनि 01/03/2008	बुध 25/10/2016	केतु 31/12/2025	शुक्र 26/03/2034	सूर्य 13/08/2050
बुध 31/12/2010	केतु 02/03/2017	शुक्र 01/09/2027	सूर्य 01/08/2034	चंद्र 12/02/2052
केतु 01/03/2012	शुक्र 02/03/2018	सूर्य 01/03/2028	चंद्र 02/03/2035	मंगल 02/03/2053

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
02/03/2053	02/03/2069	01/03/2088	03/03/2105	02/03/2112
02/03/2069	01/03/2088	03/03/2105	02/03/2112	00/00/0000
गुरु 20/04/2055	शनि 04/03/2072	बुध 29/07/2090	केतु 30/07/2105	शुक्र 03/07/2115
शनि 31/10/2057	बुध 12/11/2074	केतु 26/07/2091	शुक्र 29/09/2106	सूर्य 02/07/2116
बुध 06/02/2060	केतु 22/12/2075	शुक्र 26/05/2094	सूर्य 04/02/2107	चंद्र 24/11/2116
केतु 12/01/2061	शुक्र 21/02/2079	सूर्य 01/04/2095	चंद्र 05/09/2107	00/00/0000
शुक्र 13/09/2063	सूर्य 03/02/2080	चंद्र 31/08/2096	मंगल 01/02/2108	00/00/0000
सूर्य 01/07/2064	चंद्र 03/09/2081	मंगल 28/08/2097	राहु 18/02/2109	00/00/0000
चंद्र 31/10/2065	मंगल 13/10/2082	राहु 18/03/2100	गुरु 25/01/2110	00/00/0000
मंगल 07/10/2066	राहु 19/08/2085	गुरु 23/06/2102	शनि 06/03/2111	00/00/0000
राहु 02/03/2069	गुरु 01/03/2088	शनि 03/03/2105	बुध 02/03/2112	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 3 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृत्ति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृत्ति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवाबदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंहन बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नहीं मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नहीं करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्ता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।